SHRI KRISHAN LAW COLLEGE, KOTPUTLI (JAIPUR)

LL.B. IIIrd Year (Session-2020-21)

Paper-I – LAW OF EVIDENCE

नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान पर आधारित हैं इन पर पूर्णतः निर्भर नहीं रहे।

Q.1. Attempt briefly any four of the following :
(a) Relevancy of an Expert Opinion
(b) Explain 'proved', disproved, "not proved".
(c) Cases in which secondary evidence relating to documents may be given.
(d) Who may testify? Whether a dumb person can be considered a competent witness?
निम्न में से किन्ही चार के उत्तर संक्षेप में लिखिए :
(a) विशेषज्ञ की राय की सुसंगति।
(b) ''साबित'', ''नासाबित'', ''साबित नहीं हुआ''।
(c) ऐसे मामले जिनमें दस्तावेजों से संबंधित द्वितीयक साक्ष्य दिया जा सकेगा।
(d) कौन साक्ष्य दे सकता है ? क्या किसी मूकव्यक्ति को सक्षम साक्षी माना जा सकता है ?

Q.2. What is confession? "The statement of confession can either be accepted as a whole or rejected as a whole, but not in part". Explain with the help of decided cases.
संस्वीकृति क्या है? ''संस्वीकृति का कथन या तो पूरा स्वीकार किया जा सकता है या पूरा अस्वीकार, न कि अंश में।'' निर्णीत मामलों की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

Q.3. What is a 'Dying Declaration'? Discuss the judicial statements for appreciation of evidentiary value of dying declaration.
'मृत्युकालीन कथन' क्या है? मृत्युकालीन कथन के साक्ष्यिक मूल्य के अभिमूल्यन के न्यायिक मानको की विवेचना कीजिए।

Q.4. What is an expert? Discuss the matters for which opinion of expert may be obtained by the court. Whether such opinion is binding? Cite relevant case law.
विशेषज्ञ कौन है? उन मामलों की विवेचना कीजिए, जिसके लिए विशेषज्ञों की राय न्यायालय द्वारा प्राप्त की जा सकती है। क्या ऐसी राय बाध्यकारी है? सुसंगत वाद विधि का उल्लेख कीजिए।

Q.5. When secondary evidence is admissible to prove the primary document and what can be proved by it?
प्राथमिक दस्तावेजों को साबित करने के लिए द्वितीयक साक्ष्य कब ग्राह्य किया जाता है तथा इसके द्वारा क्या सिद्ध किया जा सकता है?

Q.6. "Documentary evidence exclude oral evidence". Discuss this statement with the help of sections 91 and 92 and explain whether section 92 is complementary or contradictory of sec 91.
''दस्तावेजी साक्ष्य मौखिक साक्ष्य को सम्मिलित नहीं करती।'' इस कथन की धारा 91 एवं 92 की सहायता से विवेचना कीजिए तथा समझाइए कि धारा 92 धारा 91 की सहयोगी है या विरोधी।

Q.7. Define burden of proof. What are the general principles of burden of proof in civil and criminal cases?
सिद्विभार की परिभाषा दीजिए। सिविल एवं आपराधिक मामलों में सिद्विभार के सामान्य सिद्धान्त क्या है?

Q.8. What are privileged communications? State the circumstance under which privileged can be claimed.
विशेषाधिकार संसूचनाएं कौन सी हैं? उन परिस्थितियों का उल्लेख कीजिए जिनमें विशेषाधिकार प्राप्त होने का दावा किया जा सकता है?

Q.9. "Cross examination is a double edged weapon, it has to be handled carefully otherwise it cuts the hands of the user." Comment.
''प्रतिपरीक्षा एक दुधारी हथियार है, इसे सावधानी से प्रयोग में लेना चाहिए अन्यथा यह इसे प्रयोग में लेने वाले के हाथ काट देता है।'' समीक्षा कीजिए।

Q.10. What do you understand by hostile witness. Explain the related provisions.
पक्षद्रोही साक्षी से आप क्या समझते हैं? संबंधित उपबंधों की विवेचना कीजिए।

SHRI KRISHAN LAW COLLEGE, KOTPUTLI (JAIPUR)

LL.B. III[rd] Year (Session-2020-21)

Paper-II – CR.PC. 1973

नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान पर आधारित हैं इन पर पूर्णतः निर्भर नहीं रहे।

Q.1. Differentiate between the following : -
(a) Cognizable and non-cognizable offence.
(b) Bailable and Non-bailable offence.
(c) Investigation and Trial
(d) Summon cases and warrant case

निम्न में विभेद कीजिए।

(a) संज्ञेय एवं अंज्ञेय अपराध।
(b) जमानतीय एवं अजमानतीय अपराध।
(c) अन्वेषण एवं विचारण
(d) समन मामले एवं वारंट मामले।

Q.2. Give the provisions relation to maintenance under Section 125 of Cr.P.C 1973. What will be the consequence of not obeying the order of maintenance?

द.प्र.सं.1973 की धारा125 के अधीन भरण पोषण से संबन्धित प्रावधानों को स्पष्ट कीजिए। भरण पोषण के आदेश का पालन करने के क्या परिणाम होंगे।

Q.3. When can police officer arrest a person without warrant ? What are the right of arrested persons?

एक पुलिस अधिकारी बिना वारंट के कब गिरफ्तार कर सकता है ? गिरफ्तार व्यक्ति के क्या अधिकार है |

Q.4. Define charge. What is the effect of error in charge? Can court alter charge?

आरोप को परिभाषित कीजिए | आरोप में हुई गलती का क्या प्रभाव होगा ? क्या आरोप में परिवर्तन हो सकता है |

Q.5. For every offence their shall be separate charge and shall be tried separately. Explain the exception of this general rule.

प्रत्येक अपराध के लिए पृथक आरोप होगा और उसका विचारण भी पृथक किया जायेगा| इस नियम के अपवाद क्या है?

Q.6. Discuss the provisions relating to reference and revision under the code of Criminal Procedure 1973.

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अन्तर्गत 'निर्देश' एवं 'पुनरीक्षण' सम्बन्धी उपबंधों की विवेचना कीजिये।

Q.7. Dicuss the provisions relating to 'Appeal' under the Code of Criminal Procedure, 1973.

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अन्तर्गत 'अपील' सम्बन्धी प्रावधानों की विवेचना कीजिए।

Q.8. What do you understand by 'Probation'? What provisions have been made in 'Probation of Offenders Act, 1958 in this regards? Discuss.

'परिवीक्षा' से आप क्या समझते है? अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 में इस सम्बन्ध में क्या उपबंध किये गये है? विवेचना कीजिए।

Q.9. Explain the Constitution, Procedure, Powers and Functions of the Juvenile Justice Board.

किशोर न्याय बोर्ड के गठन, प्रक्रिया, शक्तियों व कृत्यों का उल्लेख कीजिए।

Q.10. Explain the provisions of criminal procedure code relating to language, content and mods of delivery of judgement. Can court alter a judgement before it has been delivered?

किसी निर्णय की भाषा अंर्तवस्तु एवं इसके सुनाये जाने से संबन्धित प्रावधानों को स्पष्ट कीजिए| क्या न्यायालयनिर्णय सुनाये से पूर्व परिवर्तन कर सकता है |

SHRI KRISHAN LAW COLLEGE, KOTPUTLI (JAIPUR)

LL.B. III[rd] Year (Session-2020-21)

Paper-III – CODE OF CIVIL PROCEDURE & LIMITATION ACT

नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान पर आधारित हैं इन पर पूर्णतः निर्भर नहीं रहे।

Q.1. "The Courts have jurisdiction to try all suits of Civil nature." Explain.
''न्यायालय सभी सिविल वादों का परीक्षण कर सकते हैं।'' विवेचना कीजिए।

Q.2. Explain the provisions of 'Res Judicata' and stay of suit. Make a difference between Res judicata and Res-Sub-Judice.
प्रांग न्याय एवं वाद का रोक दिया जाना के प्रावधानों की विवेचना कीजिए तथा प्रांग न्याय तथा विचाराधीन न्याय के सिद्धांतों के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

Q.3. What is meant by attachment? Which movable and immovable assets and things cannot be attached in execution of a decree? Discuss.
कुर्की से क्या अभिप्राय है? आज्ञप्ति के निष्पादन में किन–किन चल व अचल संपत्ति व वस्तुओं की कुर्की नहीं की जा सकती है? विवेचना कीजिए।

Q.4. Explain the provision of transfer of suit, appeals and other proceeding.
वदों, अपीलों एवं अन्य कार्यवाहियों को अन्तरित करने से संबंधित प्रावधानों को स्पष्ट कीजिए।

Q.5. Illustrate the provisions relating to appearance and non appearance parties on the date hearing.
पक्षकारों की उपस्थिति तथा अनुपस्थिति से संबंधित प्रावधानों को स्पष्ट कीजिए।

Q.6. Who is an 'indigent person'? State the procedure laid down in Code of Civil Procedure, 1908 for institution of a suit by an indigent person.
'निर्धन' व्यक्ति कौन है? निर्धन द्वारा वाद दायर करने के लिए सिविल प्रक्रिया संहिता,1908 द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

Q.7. When the property of a person can be attached or that person can be arrested before the judgment in a suit?
किसी वाद में निर्णय से पूर्व कब किसी व्यक्ति की सम्पत्ति को कुर्क एवं उसे गिरफ्तार किया जा सकता है?

Q.8. When and on what conditions can temporary injunction be granted? Also mention the consequences of its disobedience or breach.
कब और किन शर्तो पर 'अस्थायी व्यादेश' जारी किया जा सकता है? उसकी अवज्ञा या भंग किये जाने के परिणामों का उल्लेख कीजिए।

Q.9. "The law of limitation bars the remedy but does no extinguish rights." Gives the exception this rule.
''परिसीमा विधि उपचार समाप्त करती है किन्तु अधिकार नहीं'' इस कथन के संदर्भ में अपवादों को स्पष्ट कीजिए।

Q.10. When once time has began to run no subsequent disability stop the limitation. Explain the exception this rule.
जब एक बार समय का चलना प्रारंभ हो जाता है तो वह वाद की निर्योग्यता से समाप्त नहीं होता? इस नियम के अपवाद बताइये।

SHRI KRISHAN LAW COLLEGE, KOTPUTLI (JAIPUR)

LL.B. III[rd] Year (Session-2020-21)

Paper-IV – ARBIT. CONC. & ALT. DISP.

नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान पर आधारित हैं इन पर पूर्णतः निर्भर नहीं रहे।

Q.1. What is an Arbitration Agreement? Discuss the essential elements of a valid arbitration agreement. What matters can be referred to arbitration?
माध्यस्थम् करार के आवश्यक तत्वों का उल्लेख कीजिये। किन–किन मामलों को माध्यस्थम् के लिए सौंपा जा सकता है?

Q.2. How is an arbital tribunal composed? Can appointment of an arbitrator be challenged? If so, discuss the grounds and procedure of challenge.
एक माध्यस्थम् का गठन किस प्रकार किया जाता है? क्या माध्यस्थम् की नियुक्ति को चुनौती दी जा सकती है? यदि हाँ तो चुनौती के आधार एवं प्रकिया का उल्लेख कीजिए।

Q.3. What are the ways in which Arbitral Proceedings are terminated?
किन–किन तरीकों से माध्यस्थम् कार्यवाही का समापन हो सकता है?

Q.4. Define 'Arbitral award'. What are requisites of valid award? Distinguish between 'Award' and 'Order'.
'माध्यस्थम् पंचाट' की परिभाषा दीजिए। एक वैध पंचाट के आवश्यक लक्षण क्या हैं? पंचाट एवं आदेश में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Q.5. On what grounds an arbitration award can be setaside?
माध्यस्थम् पंचाट को किन आधारों पर अपास्त किया जा सकता है?

Q.6. What are various Alternative Dispute Resolution Techniques? Should they be whole heartedly promoted in India?
वैकल्पिक विवाद विनिश्चय की कौन–कौन सी विभिन्न प्रणालियाँ हैं? क्या इन्हें भारत में पूर्ण मनोयोग से आगे बढ़ाया जाना चाहिये?

Q.7. When the conciliation proceeding can be said to have terminated? Whether the parties to dispute can resort to arbitral or judicial proceeding while conciliation proceeding are going on?
सुलह कार्यवाहियों का समापन कइ माना जाता है? क्या किसी विवाद के पक्षकार सुलह कार्यवाही के चलते माध्यस्थम् या न्यायिक कार्यवाही प्रारम्भ कर सकते हैं?

Q.8. How are the State Legal Services Authorities constituted? What are their functions?
राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों का गठन कैसे किया जाता है? इनके कार्य क्या हैं?

Q.9. Discuss the persons entitled for legal services under Legal Services Authorities Act, 1987.
विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अन्तर्गत विधिक सेवा के लिए हकदार व्यक्तियों का उल्लेख कीजिए।

Q.10. Write short note on the following –

1. Appellate order – अपीलीय आदेश
2. Settlement – निपटारा
3. Arbitration – माध्यमस्थम्
4. International Commercial Arbitration – अंर्तराष्ट्रीय वाणिज्यक माध्यस्थम्
5. Modification of Award – पंचाट का उपांतरण

SHRI KRISHAN LAW COLLEGE, KOTPUTLI (JAIPUR)

LL.B. III[rd] Year (Session-2020-21)

Paper-V – LAND LAW

नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान पर आधारित हैं इन पर पूर्णतः निर्भर नहीं रहे।

Q.1. Explain the provisions relating to revision of rent in respect of existing and new tenancies under the Rajasthan Rent Control Act, 2001.

राजस्थान किराया नियन्त्रण अधिनियम, 2001 के अन्तर्गत विद्यमान किरायेदारियों एवं नई किरायेदारियों के किराये के पुनरीक्षण संबंधी प्रावधानों की विवेचना कीजिए।

Q.2. State the grounds on which a tenant can be ejected from the tenement under Rajasthan Rent Control Act, 2001.

राजस्थान किराया नियन्त्रण अधिनियम, 2001 के अन्तर्गत एक किरायेदार को मकान से किन–किन आधारों पर बेदखल किया जा सकता है?

Q.3. What are those cases in which the landlord is entitled to recover immediate possession of premises?

वे कौन से मामले हैं जिनमें भू–स्वामी परिसर का तुरन्त कब्जा पुनः प्राप्त करने का हकदार हो जाता है?

Q.4. Explain the constitution and jurisdiction of the Rent Tribunal under the Rajasthan Rent Control Act, 2001.

राजस्थान किराया नियन्त्रण अधिनियम, 2001 के अन्तर्गत किराया अधिकरण के गठन एवं उसकी अधिकारिता पर प्रकाश डालिये।

Q.5. Discuss the provisions of Appeal, Revision] Reference and Review as laid down in the Rajasthan Land Revenue Act, 1956.

राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत अपील, पुनरीक्षण, निर्देशन एवं पुनरावलोकन संबंधी प्रावधानों का उल्लेख कीजिए।

Q.6. Examine in brief the procedure to be followed by and the functions, duties and power of the Land Record Officer during the course of survey and Record-operations.

सर्वेक्षण एवं अभिलेख प्रवर्तन के दौरान भू–अभिलेख अधिकारी ,ारा अनुसरित प्रक्रिया तथा उसके कार्यो, कर्त्तव्यों एवं शक्तियों का संक्षेप में परीक्षण कीजिये।

Q.7. Briefly discuss the different modes of recovery of arrears of Land Revenue.

बकाया भू–राजस्व की वसूली की विभिनन रीतियों का संक्षेप में विवेचन कीजिये।

Q.8. State the provisions relating to Surrender, Abandonment and Extinction of tenancies under the Rajasthan Tenancy Act, 1955.

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत काश्तकारी के समर्पण, परित्याग एवं अवसान से संबंधित प्रावधानों का वर्णन कीजिए।

Q.9. Explain the provisions relating to appeal, revision, reference and review under the Rajasthan Tenancy Act, 1955.

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत अपील, पुनरीक्षण, निर्देशन एवं पुनर्विलोकन से संबंधित प्रावधानों को समझाइये।

Q.10. Write Notes on –

(a) Nalbut – नालबाट (b) Khudkast – खुदकाश्त (c) Grove land – निकुंज भूमि

(d) Improvement – सुधार (e) Settlement – बंदोबस्त

SHRI KRISHAN LAW COLLEGE, KOTPUTLI (JAIPUR)

LL.B. IIIrd Year (Session-2020-21)

Paper-VI – INTERPRETATIONS OF STATUES

नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान पर आधारित हैं इन पर पूर्णतः निर्भर नहीं रहे।

Q.1. What you mean by interpretation? Distinguish between interpretation and construction. Discuss in brief the basic rules of interpretation.

निर्वचन से आप क्या समझते हैं? निर्वचन एवं अर्थान्वयन में अंतर स्पष्ट कीजिए संक्षेप में निर्वचन के आधारभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

Q.2. The court while interpreting should try to suppress the mischief and advance the remedy. Explain with the help of decide cases.

निर्वचन करते समय न्यायालयों को रिष्टि को दबाने तथा उपचार की अग्रसर करने का प्रयत्न करना चाहिए। निर्णीत वादों की सहायता से व्याख्या कीजिए।

Q.3. "While interpreting an enactment the court may modify its natural meaning to such an extent to avoid absurdity of hardship." Comment with the help of decided cases.

''किसी अधिनियमित का निर्वचन करते समय न्यायालय उसके प्राकृतिक अर्थ को इस सीमा तक रूपांतरित कर सकता है जिससे उसकी निरर्थकता अथवा कष्ट समाप्त हो जाए।'' निर्णीत वादों की सहायता से विवेचना कीजिए।

Q.4. Explain the 'Rule of Harmonious Construction of Interpretation' with the help of decided cases.

निर्णीत वादों की सहायता से 'निर्वचन के सामंजस्यपूर्ण नियम' को स्पष्ट कीजिए।

Q.5. Discuss in brief 'internal Aids' to Interpretation.

निर्वचन के 'आन्तरिक सहायक उपकरणों' की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

Q.6. Discuss in brief 'External Aids' to Interpretation.

निर्वचन के 'बाह्य सहायक उपकरणों' की संक्षेप में विवेचना कीजिये।

Q.7. Explain the 'Rule of Ejusdem generis'.

'सजाति अर्थान्वयन अर्थात् सजातीय व्याख्या के नियम' को समझाइये।

Q.8. Explain the following –

1. Jus dicere and jus dare.
2. Expressum Facit Cessare Tacitum.
3. Jure Naturae Sunt Immutabillia.
4. Nullum Crimon Sine Lege, Nulla Peona Sine Lege.

निम्नांकित को समझाइये –

1. जस डिसेरे एण्ड जस डेयर
2. एक्सप्रेसम फेसिट सिसेयर टेसिटम
3. जूरे नेचूरे सुण्ट इम्युटेबिलिया
4. नलम क्राइमन साइने लिगे, न्यूला पिओना साइने लिगे

Q.9. Explain the importance of the following in interpretation of statutes –

1. Expressio Unius Personae Vel rei est exclusion alterius.
2. Ut res magis valent quam pereat.
3. Generalia specialibus Non-derogant.

संविधियों की व्याख्या में निम्नांकित के महत्व को स्पष्ट कीजिए –

1. एक्सप्रेसियो यूनियस परसोने वेल रि एस्ट एक्सक्लूजियो अल्टेरियस।
2. अट रेस मेजिस बेलियट क्वाम पेरियट।
3. जनरेलिया स्पेशियोलिबस नॉन डेरोगेन्ट।

Q.10. Explain the mandatory and directory enactments with the help of decided case law.

निर्णित वादों की सहायता से आदेशात्मक निर्देशात्मक अधिनियमितियों को स्पष्ट कीजिए।

SHRI KRISHAN LAW COLLEGE, KOTPUTLI (JAIPUR)

LL.B. IIIrd Year (Session-2020-21)

Paper-VII – ENVIRONMENTAL LAW

नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान पर आधारित हैं इन पर पूर्णतः निर्भर नहीं रहे।

Q.1. Write an essay on the objects and goals of the Environment (Protection) Act, 1986. What are your suggestions for the protection of environment?

पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के उद्देश्यों एवं लक्ष्यों पर एक निबन्ध लिखिये। पर्यावरण हेतु आपके क्या सुझाव हैं?

Q.2. Explain the following terms under the environment (Protection) Act, 1986 –

1. Environment;
2. Environmental Pollutant;
3. Environmental Pollution;
4. Hazardous Substance;
5. Handling;
6. Occupier;

पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत निम्नांकित को स्पष्ट कीजिए –

1. पर्यावरण
2. पर्यावरण प्रदूषक
3. पर्यावरण प्रदूषण
4. परिसंकटमय पदार्थ
5. व्यवहार करना
6. अधिभोगी

Q.3. Explain the following provisions under the Environment (Protection) Act, 1986 –

1. Powers on entry and inspection;
2. Powers to take sample and their analysis.

पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत निम्नांकित प्रावधानों को स्पष्ट कीजिये –

1. प्रवेश एवं निरीक्षण की शक्तियाँ।
2. नमूना लेने एवं विश्लेषण की शक्तियाँ।

Q.4. What do you understand by noise pollution. How is noise pollution controlled by the Rajasthan noise control Act, 1963? Explain.

ध्वनि प्रदूषण से आप क्या समझते हैं? राजस्थान ध्वनि नियंत्रण अधिनियम, 1963 द्वारा ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण कैसे किया जाता है? समझाइए।

Q.5. Discuss the scope and extent of the right to pollution free environment under Article 21 of Indian Constitution.

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अन्तर्गत प्रदूषण रहित पर्यावरण के अधिकार के क्षेत्र एवं विस्तार की व्याख्या कीजिये।

Q.6. "During last two decades the Judicial Activism has taken maximum care of the Environment Protection." Discuss with the help of decided cases.

''पिछले दो दशकों की अवधि में न्यायिक सक्रियता ने पर्यावरण संरक्षण की अधिकतम सार संभाल की है।'' इस कथन की निर्णीत मामलों की सहायता से विवेचना कीजिए।

Q.7. Discuss about the constitution of the Central Board under the Water (Provention and Control of Pollution) Act, 1974. What are its main functions?

जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के अन्तर्गत केन्द्रीय बोर्ड के गठन का वर्णन कीजिये। इसके प्रमुख कृत्य क्या हैं?

Q.8. Discuss what restrictions and prohibitions are imposed regarding water by the Water Pollution Prevention and Control Board under the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974?

जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के अन्तर्गत जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण बोर्ड द्वारा जल प्रदूषण के संबंध में क्या निर्बन्धन और प्रतिषेध अधिरोपित किये गये हैं? विवेचना कीजिये।

Q.9. Discuss the power and functions of Central and State Board under Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981.

वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के अन्तर्गत केन्द्रीय एवं राज्य बोर्ड की शक्तियों व कृत्यों का उल्लेख कीजिये।

Q.10. Discuss the powers of the State Government for the prevention, control and abatement of air pollution.

वायु प्रदूषण के निवारण, नियंत्रण एवं उपशमन के लिए राज्य सरकार की शक्तियों का उल्लेख कीजिये।

SHRI KRISHAN LAW COLLEGE, KOTPUTLI (JAIPUR)

LL.B. III[rd] Year (Session-2020-21)

Paper-VIII – CRIMINOLOGY & PENOLOGY

नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान पर आधारित हैं इन पर पूर्णतः निर्भर नहीं रहे।

Q.1. Define criminology and discuss its nature and scope.

अपराध शास्त्र की परिभाषा दीजिए तथा उसकी प्रकृति, क्षेत्र की विवेचना कीजिए।

Q.2. What are the different schools of criminology? Discuss briefly the Sociological school of criminology.

अपराधशास्त्र की विभिन्न शाखायें क्या हैं? अपराधशास्त्र की समाजशास्त्रीय शाखा की संक्षेप में विवेचना कीजिये।

Q.3. What is the main contribution of Lombroso to Criminology? Explain and illustrate his theory of Criminality.

अपराधशास्त्र को लोम्ब्रोसो की क्या देन है? अपराधिता संबंधी लोम्ब्रोसो की विचारधारा की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिये।

Q.4. Discuss briefly the Sutherland's important contributions to Criminology.

अपराधशास्त्र में सदरलैण्ड के प्रमुख योगदानों की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

Q.5. Write a critical essay on juvenile delinquency in India.

भारतीय बाल अपराध प्रवृत्ति पर एक समालोचनात्मक निबन्ध लिखिये।

Q.6. Write short note on Woman Crimes.

महिला अपराधों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Q.7. Define 'White Collar Crime'. What are the causes of White Collar Crimes?

'श्वेतपोश अपराध' को परिभाषित कीजिए। श्वेतपोश अपराधों के क्या कारण हैं?

Q.8. What are the different theories of punishment? Which one of the theories you prefer?

दण्ड के विभिन्न सिद्धान्त क्या हैं? आप किस सिद्धान्त को वरीयता प्रदान करते हैं?

Q.9. "Capital punishment while pretending to support reverence for human life does in fact tend to destroy it." Give your views for and against the abolition of capital punishment.

''मृत्युदण्ड मानव जीवन के प्रति आस्था प्रतिपादित करने के स्थान पर वास्तव में इन आस्थाओं को नष्ट ही करता है।'' मृत्युदण्ड के समाप्त किये जाने के पक्ष तथा विपक्ष में अपना मत दीजिये।

Q.10. What is 'Probation'? How does it differ from Parole? Specify the types of offenders for whom you will recommend Probation? Explain.

''परिवीक्षा'' क्या है? यह पैरोल से किस प्रकार भिन्न है? किस प्रकार के अपराधियों के लिए आप परिवीक्षा की सिफारिश करेंगे? समझाइये।

SHRI KRISHAN LAW COLLEGE, KOTPUTLI (JAIPUR)

LL.B. III[rd] Year (Session-2020-21)

Paper-IX – DRAFTING PLEADING & CONVEYANCE

नोटः– निम्नलिखित प्रश्न केवल अनुमान पर आधारित हैं इन पर पूर्णतः निर्भर नहीं रहे।

Q.1. What do you mean by pleading? Explain the basic Principles of pleading and Discuss Particulars which the plaint shall contain.

अभिवचन से आप क्या समझते हैं? अभिवचन के मूल सिद्धान्तों को समझाते हुए वादपत्र के अंर्तविष्ट होने वाली प्रविष्टियों की विवेचना कीजिये।

Q.2. What are the rules of amendment in a pleading? At what stage pleading can be amend?

अभिवचन के संशोधन के नियम क्या हैं? वाद के किस स्तर तक अभिवचन को संशोधित किया जा सकता है?

Q.3. What is a plaint? Discuss its essential elements, When can the court reject a plaint?

वाद–पत्र क्या है? इसके आवश्यक तत्वों की विवेचना कीजिये। न्यायालय एक वाद–पत्र कब निरस्त कर सकता है?

Q.4. Write short notes on only two of the following –

1. Special power of Attorney 2. Inter locator Application 3. Promissory Note
4. Rent Deed 5. Complaints & F.I.R.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए –

1. मुख्तारनामा खास 2. अंतरवर्ती आवदेन 3. वचन पत्र
4. किरायानामा 5. परिवाद एवं एफ.आई.आर.

Q.5. Draft a plaint and written statement for the recovery of money.

धन की वसूली के लिए वाद पत्र एवं लिखित कथन का प्रारूप तैयार कीजिए।

Q.6. What is Writs? Explain. Draft a writs any of one?

रिट क्या है? समझाइये। किसी एक रिट का प्रारूप तैयार कीजिए।

Q.7. (A) Draft an application for grant of a temporary injunction along with an affidavit in support of it.

(B) Draft an application for appointment of guardian ad litem supported by an affidavit.

(क) अस्थायी निषेधाज्ञा प्राप्त करने के लिए एक प्रार्थना पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए तथा उसे समर्थन में एक शपथ पत्र भी दीजिए।

(ख) वादार्थ संरक्षक नियुक्त किये जाने हेतु एक प्रार्थना पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए व उसके समर्थन में एक शपथ पत्र भी दीजिए।

Q.8. Draft Bail Petition for release of an accused arrested in correction with non-bailable offence.

अजमानतीय अपराध में गिरफ्तार अभियुक्त को जमानत नी छोड़े जाने के लिए जमानत के प्रार्थना पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए।

Q.9. Draft a Sale deed, Lease deed & Rent deed.

विक्रय विलेख, पट्टा विलेख एवं किरायानामा का प्रारूप तैयार कीजिए।

Q.10. Draft a Deed of Partnership and Dissolution of Partnership.

भागीदारी के गठन एवं भागीदारी के विघटन का प्रारूप तैयार कीजिए।